जेम्स प्रथम की मृत्यु 1625 ई. में हुई, उस समय इंग्लैण्ड की स्थिति वैदेशिक मामलों में अच्छी न थी। **जेम्स प्रथम के पश्चात् चार्ल्स प्रथम के राजा बनते समय इंग्लैण्ड का स्पेन से युद्ध चल रहा था तथा तीस वर्षीय युद्ध** (Thirty Years War) **में इंग्लैण्ड की स्थिति शोचनीय थी।** चार्ल्स प्रथम ने राजा बनने पर स्पेन के विरुद्ध युद्ध को जारी रखने का निश्चय किया अतः उसके राज्य के प्रारम्भ में ही उसे प्रसिद्धि प्राप्त हो गयी, किन्तु शीघ्र ही उसकी ख्याति धूमिल होने लगी क्योंकि निरन्तर युद्ध के पश्चात् इंग्लैण्ड को अत्यधिक अपमान का सामना करना पड़ा।

स्पेन से युद्ध (War with Spain)—अपने राज्य के प्रारम्भ में चार्ल्स अपने अदूरदर्शी, आत्मविश्वासी मित्र बकिंघम से अत्यन्त प्रभावित था। चार्ल्स प्रथम एवं बकिंघम ने कुछ योजनाएं बनायीं जो कि उनकी अदूरदर्शिता का प्रत्यक्ष उदाहरण थीं तथा जिनके कारण इंग्लैण्ड को अत्यधिक संकट का सामना करना पड़ा। चार्ल्स ने स्पेन से युद्ध जारी रखने का निर्णय लिया था तथा इलेक्टर पैलेटाइन को पुनः प्राप्त करने के लिए अभियान चलाया। **चार्ल्स ने डेनमार्क के राजा से मित्रता का प्रयास किया क्योंकि वह चाहता था कि डेनमार्क का राजा स्पेन से युद्ध करे तथा चार्ल्स उसे आर्थिक सहायता दे।** डेनमार्क के राजा को धन की आवश्यकता थी अतः वह चार्ल्स की बात मानने को तैयार हो गया। चार्ल्स ने डेनमार्क के राजा को तीन लाख साठ हजार पौण्ड वार्षिक देना स्वीकार किया था, किन्तु चार्ल्स अपने वचन को पूर्ण न कर सका क्योंकि संसद से उसका झगड़ा होने के कारण वह धन प्राप्त करने में असफल रहा। इस प्रकार उसकी यह योजना असफल हो गयी तथा एक किश्त जो कि वह डेनमार्क के राजा को दे चुका था, व्यर्थ गयी।

चार्ल्स प्रथम अपने साहसिक कार्यों से इंग्लैण्ड की जनता को प्रसन्न करना चाहता था। अतः बकिंघम तथा चार्ल्स प्रथम ने यह योजना बनायी कि यदि स्पेन के बन्दरगाहों पर आक्रमण किया जाए तो इससे जर्मनी के प्रोटेस्टेण्ट सम्प्रदाय के व्यक्तियों को सहायता मिलेगी तथा पैलेटाइन का भी उद्धार हो सकेगा। अंग्रेज जनता भी स्पेन के साथ युद्ध करने के लिए उत्सुक थी। इस उद्देश्य से चार्ल्स ने एक जहाजी बेड़ा निर्मित करवाया जिसमें 10 जहाज तथा दस हजार सैनिक थे। **स्पेन उस समय अपने घरेलू झगड़ों में व्यस्त था तथा नई दुनिया से उसके खजाने से भरे जहाज आ रहे थे।** चार्ल्स द्वारा स्पेन पर आक्रमण के लिए यह अवसर अत्यन्त उचित था। अतः 1625 ई. में अंग्रेजी जहाजी बेड़े ने स्पेन के बन्दरगाह केडिज पर आक्रमण किया, किन्तु दुर्भाग्य से अंग्रेज सैनिकों में विद्रोह हो गया, परिणामस्वरूप इंग्लैण्ड की इस आक्रमण में पराजय हुई। **इंग्लैण्ड का इस पराजय से अत्यन्त अपमान तथा हानि हुई।** इस हार के कारण चार्ल्स प्रथम डेनमार्क के राजा को भी अपेक्षित सहायता न कर सका अतः वह भी जर्मन कैथोलिकों द्वारा परास्त कर दिया गया। केडिज की पराजय का मुख्य कारण जेम्स द्वारा नौ-सेना की ओर पर्याप्त ध्यान न दिया जाना था। **चार्ल्स ने इस भूल को समझा**

Scanned with CamScanner

तथा नौ-सेना को शक्तिशाली बनाने के लिए कार्यरत हो गया।[1] **इंग्लैण्ड की केडिज** (Cadiz) **बन्दरगाह पर पराजय सम्भवतः इंग्लैण्ड की सबसे बड़ी पराजय थी।**[2]

फ्रांस से सम्बन्ध (Relations with France)—चार्ल्स प्रथम ने 1625 ई. में फ्रांस की राजकुमारी मेरिया के साथ विवाह किया। इस विवाह में यह व्यवस्था की गयी थी कि रानी अपना धर्म बनाए रखेगी तथा चार्ल्स इंग्लैण्ड में कैथोलिकों के साथ सहिष्णुता का व्यवहार करेगा। **यद्यपि स्पेन के शत्रु फ्रांस से मित्रता करके उसने अपनी शक्ति को दृढ़ किया किन्तु इसके कारण उसे अनेक कठिनाइयों का समाना करना पड़ा क्योंकि विवाह की शर्तों में यह निर्धारित हुआ था कि चार्ल्स फ्रांस के राजा को कुछ जहाज उधार देगा।** फ्रांस के राजा का विचार था कि वह इन जहाजों का प्रयोग फ्रांस में विद्रोह कर रहे प्रोटेस्टेण्ट व्यक्तियों के विरुद्ध करेगा। यह एक आश्चर्य की बात थी कि इंग्लैण्ड के जहाजों का प्रयोग प्रोटेस्टेण्टों के विरुद्ध किया जाए अतः इन जहाजों के नाविकों ने ही आदेश मानने से इनकार कर दिया। यद्यपि फ्रांस को चार्ल्स ने जहाज दे दिए किन्तु इससे इंग्लैण्ड में घोर असन्तोष उत्पन्न हो गया। **इंग्लैण्ड की जनता एवं संसद चार्ल्स की विरोधी हो गयी।**

इसी बीच फ्रांस के शासक लुई ने चार्ल्स से यह मांग की कि अपने वचन के अनुसार इंग्लैण्ड के कैथोलिकों को वह सुविधाएं प्रदान करे किन्तु चार्ल्स ऐसा करने की स्थिति में न था क्योंकि इंग्लैण्ड की जनता इसके विरोध में थी। **परिणामस्वरूप इंग्लैण्ड व फ्रांस के सम्बन्धों में कटुता उत्पन्न होने लगी।** इसके अतिरिक्त चार्ल्स भी फ्रांस से रुष्ट था क्योंकि वह अपने वचन का, कि स्पेन के विरुद्ध इंग्लैण्ड को सहायता देगा, पालन नहीं कर रहा था। शीघ्र ही दोनों देशों के मध्य सम्बन्ध बिगड़ने लगे तथा चार्ल्स ने फ्रांस के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी।

1627 ई. में फ्रांस और इंग्लैण्ड के मध्य युद्ध प्रारम्भ हो गया। फ्रांस के प्रोटेस्टेण्ट (ह्यूगनाट) का फ्रांस के राजा से युद्ध चल रहा था। **फ्रांस के राजा ने रही द्वीप** (Isle of Rhe) **में ह्यूगनट्स** (Hugenats) को घेर रखा था। चार्ल्स ने अब इन प्रोटेस्टेण्ट की सहायता करने का निर्णय लिया तथा सौ जहाजों के साथ बकिंघम को रेंही द्वीप भेजा। प्रारम्भ में बकिंघम को पर्याप्त सफलता प्राप्त हुई किन्तु उसकी सहायतार्थ इंग्लैण्ड से आने वाली सेना उस तक न पहुंच सकी। अतः उसे फ्रांस की सेना से परास्त होना पड़ा। **बकिंघम की यह पराजय उसके नाम पर एक कलंक था।** जिस समय वह इस पराजय का प्रतिशोध लेना चाह रहा था, उसकी फेल्टन नामक एक नाविक ने हत्या कर दी। **इंग्लैण्ड को इस युद्ध से अत्यधिक हानि हुई।**[3]

बकिंघम की मृत्यु के पश्चात् चार्ल्स प्रथम का साहस समाप्त प्रायः हो गया। विभिन्न प्रकार के कर लगाकर भी वह युद्ध चलाने की स्थिति में स्वयं को नहीं पाता था क्योंकि संसद से उसे सहयोग प्राप्त न था अतः उसने वैदेशिक मामलों में रुचि लेना त्याग दिया। **चार्ल्स कभी स्पेन के विरुद्ध फ्रांस से और कभी फ्रांस के विरुद्ध स्पेन से सहायता लेने का प्रयत्न करता।** इसी मध्य इंग्लैण्ड में आन्तरिक झगड़े उत्पन्न होने तथा संसद से संघर्ष होने के कारण भी वैदेशिक क्षेत्र की ओर अधिक ध्यान न दे सका, परिणामस्वरूप वैदेशिक नीति में शिथिलता आ गई।

यद्यपि चार्ल्स ने तीस वर्षीय युद्ध में से अपनी परिस्थितियों के परिणामस्वरूप हाथ खींच लिया तथापि यह युद्ध आगामी बीस वर्षों तक चलता रहा तथा 1648 ई. में **वेस्टफैलिया की संधि** (Treaty of Westphalia) के पश्चात् समाप्त हुआ। इस अवधि में जर्मनी अराजकता की स्थिति में पहुंच गया तथा फ्रांस की शक्ति उन्नति के सर्वोच्च शिखर पर पहुंच गयी। स्वीडन की सैनिक महानता की अल्पकालिक अवधि का प्रारम्भ हो गया, डच लोगों की समृद्धि हुई तथा उन्होंने अपने व्यापार को सशक्त बनाया। **स्पेन की शक्ति एवं व्यापार में पर्याप्त ह्रास हुआ, किन्तु इन समस्त घटनाओं में इंग्लैण्ड का कोई हाथ न था।** 1624-24 ई. की घटनाओं में

1. "The Result was soon seen when an ambitious naval ... planned on the ...

Scanned with CamScanner

एलिजाबेथ के समय की उसकी प्रतिष्ठा विलीन होने की अवस्था को पहुंच गयी। यूरोप के मामलों में कोई प्रतिष्ठा न रही, समुद्री व्यापार में डच आगे निकल गए। इंग्लैण्ड अकेला पड़ गया किन्तु आपसी **वर्षों तक चिनगारी सुलगती रही जिसका अन्त में भयंकर विस्फोट हुआ।**[1]

इस प्रकार चार्ल्स प्रथम की वैदेशिक नीति के परिणामस्वरूप इंग्लैण्ड के सम्मान पर गम्भीर हुआ। चार्ल्स प्रथम की अदूरदर्शी वैदेशिक नीति के कारण इंग्लैण्ड की जनता उसकी विरोधी हो गयी तथा संसद में अधिक विश्वास हो गया। **अतः संसद के महत्व में पर्याप्त वृद्धि हुई।** चार्ल्स प्रथम की दुर्बल वैदे नीति के कारण यूरोप में इंग्लैण्ड का प्रभाव समाप्तप्रायः हो गया तथा फ्रांस की शक्ति अत्यधिक बढ़ इस प्रकार इंग्लैण्ड के प्रभावहीन होने के कारण यूरोप में शक्ति सन्तुलन भंग हो गया।

चार्ल्स की वैदेशिक नीति की असफलता के कारण
(CAUSES OF THE FAILURE OF THE FOREIGN POLICY OF CHARLES I)

चार्ल्स की वैदेशिक नीति असफल होने के अनेक कारण थे :

(i) **संसद से संघर्ष**—चार्ल्स के राजा बनते समय उसकी स्थिति इस प्रकार की न थी कि यूरोप के राज के साथ युद्ध करे क्योंकि चार्ल्स और संसद में निरन्तर संघर्ष हो रहा था। **चार्ल्स की आर्थिक स्थिति भी ऐ न थी कि वह युद्ध कर सके।** अतः संसद के साथ संघर्ष के कारण उसे धन प्राप्त न हो सका और धन प्राप्त होने के कारण वह युद्धों को कुशलतापूर्वक न लड़ सका।

(ii) **स्थायी सेना का अभाव**—चार्ल्स की वैदेशिक नीति के असफल होने का एक अन्य कारण चार्ल्स के पास स्थायी सेना का अभाव था। इंग्लैण्ड में यह परम्परा थी कि आवश्यकता पड़ने पर सेना एकत्रित कर ली जाती थी तथा कार्य की पूर्ति होने पर सेना को भंग कर दिया जाता था। **इस प्रकार बनायी गयी सेना युद्ध-कुशल नहीं होती थी क्योंकि उसे पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं मिला होता था।** चार्ल्स की सेना भी इसी प्रकार की थी अतः उसे युद्धों में सफलता प्राप्त न हो सकी।

(iii) **चार्ल्स का व्यक्तित्व**—वैदेशिक नीति के असफल होने का सर्वप्रमुख कारण स्वयं चार्ल्स का चरित्र एवं व्यक्तित्व था। वह समय के अनुरूप अपनी नीति को न बना सका अतः अपनी भूल के परिणामों का उसे सामना करना पड़ा। **वार्नर मार्टिन ने लिखा है कि अंग्रेजी नीति की असफलता का प्रमुख कारण जेम्स तथा चार्ल्स ही थे। जेम्स की अनिश्चितता और भीरूपन तथा चार्ल्स की कुटिल एवं पारस्परिक विरोधी नीतियां ही वैदेशिक नीति की असफलता के लिए उत्तरदायी थीं।**[2]

Scanned with CamScanner